प्रगति आख्या

प्रत्येक विद्यार्थी की प्रगति आख्या माहवार तैयार की जाती है। इस प्रकार सत्रान्त तक प्रत्येक छात्र/छात्रा की वार्षिक प्रगति–आख्या तैयार होती है, जिसमें छात्र का विषय, माहवार दिये गए व्याख्यान, विद्यार्थी की उपस्थिति, मासिक मूल्यांकन में उसका अंक एवं उसके द्वारा पढ़ाई गई साप्ताहिक कक्षाओं का विवरण होता है। प्रायोगिक परीक्षा के परीक्षकों के समक्ष प्रगति आख्या रखी जाती है। प्रगति आख्या वेबसाइट पर उपलब्ध रहती है।

BSC2012130011	CHEMISTRY	20 18 20 01	21 17 10 0	17 13 A 0	33 28 A 0	36 17 A 0	21 01 A 0	148 94 30 1
Vinay Kumar Yadav	Math	36 32 12 01	40 32 05 02	19 10 10 0	35 22 A 01	36 17 A 0	31 03 A 0	197 116 27 4
Hooblal Yadav	PHYSICS	20 19 16 01	21 17 A 01	12 08 01 0	18 11 02 0	21 12 A 0	16 01 A 0	108 68 19 2
BSC2012130012	Math	36 11 A 0	40 17 A 0	19 08 A 0	35 05 A 01	36 16 A 0	0 0 A 0	166 57 0 1
Aman Pandey	CHEMISTRY	20 11 A 0	21 10 09 0	10 05 A 0	33 06 A 0	36 0 A 0	17 01 A 0	137 33 9 0
Anil Kumar Pandey	PHYSICS	20 15 A 0	21 12 A 01	12 10 A 0	18 05 A 0	21 08 A 0	16 01 A 0	108 51 0 1
BSC2012130013	CHEMISTRY	20 11 A 0	21 11 A 0	17 11 03 0	33 22 A 0	36 11 A 0	0 0 A 0	127 66 3 0
Ravi Pratap	Math	36 16 12 0	40 12 A 0	19 07 A 0	35 13 A 0	36 09 A 0	31 08 A 0	197 65 12 0
Ramesh	PHYSICS	20 13 10 0	21 10 A 0	12 09 A 0	18 08 A 0	21 07 A 0	16 05 A 0	108 52 10 0
BSC2012130014	CHEMISTRY	20 08 A 0	21 12 A 0	0 0 A 0	33 16 A 0	36 0 A 0	21 01 A 0	131 37 0 0
Krishna Bihari Pandey	Math	36 11 A 0	40 10 A 0	19 01 A 0	35 15 A 0	36 01 A 0	31 05 A 0	197 43 0 0
Hari Narayan Pandey	PHYSICS	20 19 A 0	21 13 A 0	12 0 A 0	18 09 A 0	0 0 A 0	0 0 A 0	71 41 0 0
BSC2012130015	CHEMISTRY	20 14 A 0	21 16 A 0	17 14 0 0	33 18 03 0	36 33 A 0	21 14 A 0	148 109 3 0
Shalini Sharma	Math	36 23 A 0	40 20 A 0	19 10 A 0	35 13 A 0	36 31 A 0	31 25 A 0	197 122 0 0
Laxman Prasad Sharma	PHYSICS	20 16 A 0	21 16 A 0	12 11 01 0	18 11 A 0	21 17 A 0	16 15 A 0	108 86 1 0
BSC2012130016	Math	36 13 A 0	40 01 A 0	19 01 0 0	35 0 A 0	36 01 A 0	31 0 A 0	197 16 0 0
Dileep Kumar Jayswal	CHEMISTRY	20 09 A 0	21 01 A 0	17 0 0 0	33 0 A 0	36 0 A 0	21 01 A 0	148 11 0 0
Ram Asare Jayswal	PHYSICS	20 05 A 0	21 01 A 0	12 0 0 0	18 16 A 0	0 0 A 0	0 0 A 0	71 22 0 0

प्रगति आख्या

- प्रति माह की प्रगति आख्या अगले माह के पांच तारीख तक शिक्षक प्रभारी को दे देता है।
- प्रभारी द्वारा जांचोपरान्त प्राचार्य कार्यालय को 10 तारीख तक प्रेषित कर दिया जाता है।
- 15 तारीख तक वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाता है।
- कोई अभिभावक 15 तारीख के बाद अपने पाल्य प्रगति रपट वेबसाइट पर देख सकता है।

हिन्दुस्तान • गोरखपुर • सोमवार • 27 फरवरी 2012

एक 'क्लिक' पर जानें बच्चों की प्रगति रिपोर्ट

गोरखपुर | आशीष श्रीवास्तव

कॉलेज में बच्चे की उपस्थित कितनी है ? क्लास में परफार्मेंस कैसी है? कॉलेज की गतिविधियों में वह भाग लेता है या नहीं? ऐसे कई सवाल जिनके जवाब आप बच्चे के बेहतर भविष्य के लिए जानना चाहते हैं। आपकी जिज्ञासा को शांत करने के लिए जंगल धूसड़ के महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज ने नई पहल की है। कॉलेज ने वेबसाइट लांच की है, जिसके जरिए सवालों के जवाब बस एक क्लिक पर ही जान सकते हैं। यह वेबसाइट अभिभावकों के साथ ही छात्रों के लिए भी उपयोगी है। इस पर उन्हें नोट्स, स्टडी मटेरियल, टेस्ट व परीक्षा के रिजल्ट भी मिलेंगे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव भी इसे बड़ी उपलब्धि मान रहे हैं।

वेबसाइट के प्रगति रिपोर्ट पर क्लिक करने पर कॉलेज के छात्रों और शिक्षकों की कम्पलीट प्रोफाइल उपलब्ध होगी। शहर से सटे इस महाविद्यालय ने संसाधनों का इंतजार नहीं किया बल्कि उनकी खुद तलाश कर अहम काम किए। छात्रों को लीक से हटकर चलना बताया। नई वेबसाइट पर हर छात्र के लिए एक-एक पेज होगा, जिसमें उसकी हाजिरी, नोट्स, स्टडी मटेरियल, टेस्ट व परीक्षा के रिजल्ट मिलेंगे।

ये होंगे फायदे

• अभिभावक वेबसाइट पर अपने बच्चों की उपस्थिति जान सकेंगे • ई-नोट्स, स्टडी मटेरियल से स्टूडेंट को सीधा फायदा • विभाग व विषयों के शिक्षक सीधे छात्रों को सूचनाएं दे सकेंगे • लाइब्रेरी ऑनलाइन होगी

हिन्दुस्तान नया नजरिया

ऐसे जानेंगे प्रगति रिपोर्ट

एमपीपीजी महाविद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों के अभिभावक को एक कोड दिया जाएगा। उन्हें बच्चे की प्रगति रिपोर्ट जानने के लिए वेबसाइट www.mpm.edu.org पर जाना होगा। होम पेज पर प्रगति रिपोर्ट (आख्या) पर क्लिक करना होगा। इसके बाद स्टूडेंट आईडी डालनी होगी और फिर छात्र के सारे डिटेल सामने आ जाएंगे। फिलहाल बिना कोड के सभी डिटेल उपलब्ध होंगे।

यह वेबसाइट को छात्रों और शिक्षकों के लिए लांच की गई है लेकिन इसका सीधा लाभ अभिभावकों को भी होगा। अभिभावक अपने बच्चों की गतिविधि एवं प्रगति रिपोर्ट बस एक क्लिक पर जान सकेंगे। **डॉ. प्रदीप राव, प्राचार्य एमपीपीजी कॉलेज**

पैंट-शर्ट और गाउन। सिर पर कैप और हाथ में डिग्री। आम तौर पर दीक्षांत समारोह में ऐसा ही होता है। यह तो बात हुई आम लेकिन कुछ नया करने की बात हो तो फिर लीक पर कौन चले। तभी तो एमपीपीजी, जंगल धूषण ने बनाई नई राह और यहां के छात्राएं और छात्र गाउन को छोड़कर साड़ी और धोती-कुर्ता में पांचवें दीक्षांत समारोह में शामिल हुए

शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र

शिक्षकों के विकास हेतु अत्यन्त प्रभावी योजना के रूप में छात्रों द्वारा शिक्षकों का मूल्यांकन लागू है। इस योजना ने शिक्षकों के विकास यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

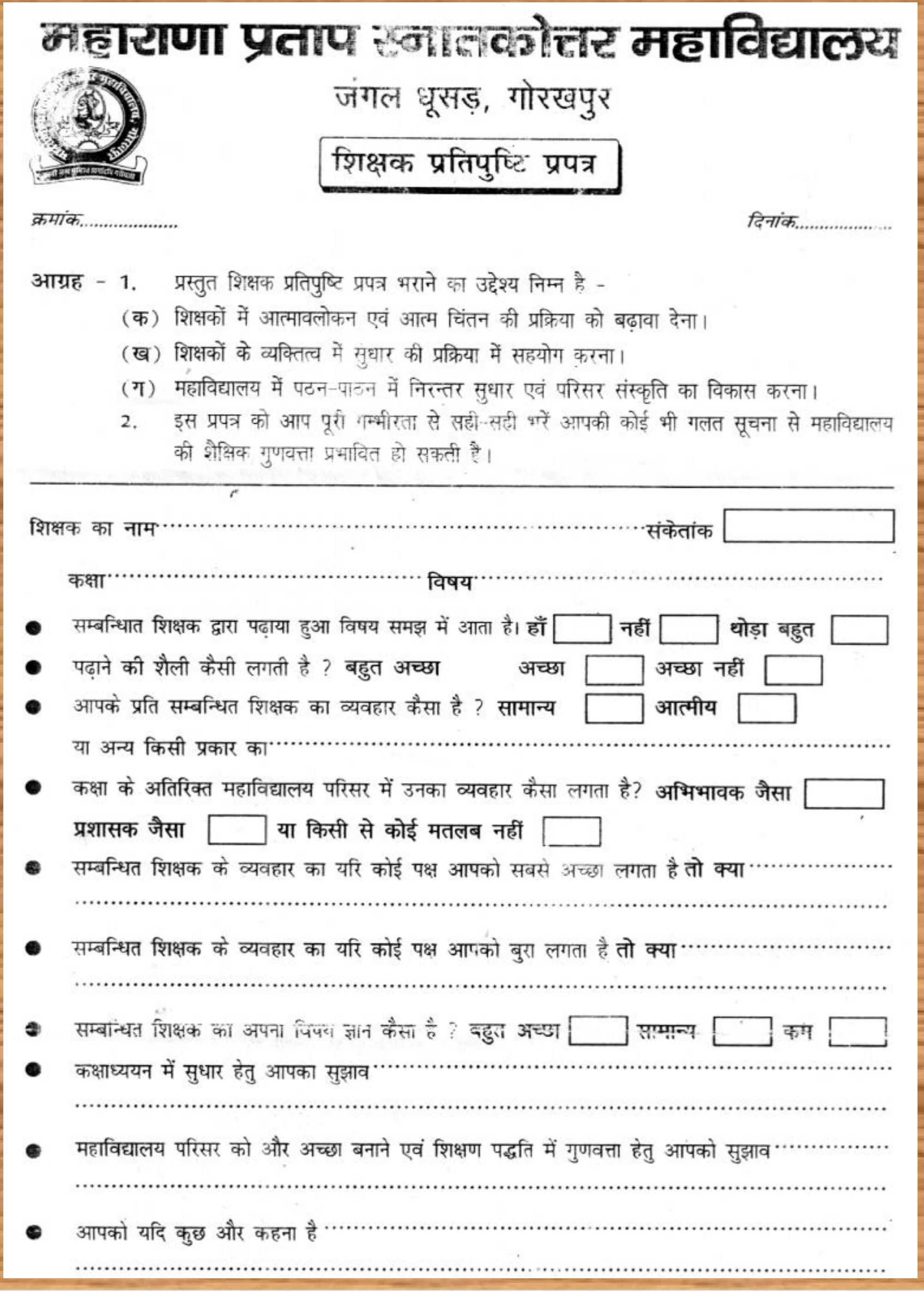

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़, गोरखपुर

शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र

क्रमांक..................   *दिनांक*..................

आग्रह - 1. प्रस्तुत शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भराने का उद्देश्य निम्न है -

(क) शिक्षकों में आत्मावलोकन एवं आत्म चिंतन की प्रक्रिया को बढ़ावा देना।

(ख) शिक्षकों के व्यक्तित्व में सुधार की प्रक्रिया में सहयोग करना।

(ग) महाविद्यालय में पठन-पाठन में निरन्तर सुधार एवं परिसर संस्कृति का विकास करना।

2. इस प्रपत्र को आप पूरी गम्भीरता से सही-सही भरें आपकी कोई भी गलत सूचना से महाविद्यालय की शैक्षिक गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है।

शिक्षक का नाम.. संकेतांक

कक्षा.................................. विषय..................................

- सम्बन्धित शिक्षक द्वारा पढ़ाया हुआ विषय समझ में आता है। **हाँ** **नहीं** **थोड़ा बहुत**
- पढ़ाने की शैली कैसी लगती है ? **बहुत अच्छा** **अच्छा** **अच्छा नहीं**
- आपके प्रति सम्बन्धित शिक्षक का व्यवहार कैसा है ? **सामान्य** **आत्मीय**

  या अन्य किसी प्रकार का..................................
- कक्षा के अतिरिक्त महाविद्यालय परिसर में उनका व्यवहार कैसा लगता है? **अभिभावक जैसा** **प्रशासक जैसा** **या किसी से कोई मतलब नहीं**
- सम्बन्धित शिक्षक के व्यवहार का यरि कोई पक्ष आपको सबसे अच्छा लगता है **तो क्या**..................................
- सम्बन्धित शिक्षक के व्यवहार का यरि कोई पक्ष आपको बुरा लगता है **तो क्या**..................................
- सम्बन्धित शिक्षक का अपना विषय ज्ञान कैसा है ? बहुत अच्छा सामान्य कम
- कक्षाध्ययन में सुधार हेतु आपका सुझाव..................................
- महाविद्यालय परिसर को और अच्छा बनाने एवं शिक्षण पद्धति में गुणवत्ता हेतु आपको सुझाव..................................
- आपको यदि कुछ और कहना है..................................

अमर उजाला

अभिमत

गोरखपुर | बुधवार | 18 जनवरी 2012

यहां छात्र करते हैं शिक्षकों का मूल्यांकन

महाराणा प्रताप पीजी कालेज में शिक्षकों पर नैतिक दबाव बनाने का फार्मूला

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। शिक्षक संस्थानों में छात्रों का मूल्यांकन शिक्षक करते हैं। उत्तर पुस्तिकाओं के जरिए व अन्य तौर-तरीकों से। लेकिन महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय जंगल धूसड़ में कबीर दास की उल्टी बानी वाली कहावत चरितार्थ हो रही है। कालेज प्रशासन अपने शिक्षकों पर नैतिक दबाव बनाने के लिए छात्र-छात्राओं से शिक्षकों का मूल्यांकन कराता है। इसके लिए बाकायदा एक फार्मेट छपा है। जिस पर छात्र-छात्रा अपना नाम गोपनीय रखते हुए अपने शिक्षक के बारे में बेबाक राय देते हैं।

- बाकायदा फार्मेट पर शिक्षकों के बारे में छात्रों से ली जाती है लिखित राय
- संबंधित शिक्षा के बीच रिपोर्ट पर होती है चर्चा

ये हैं फार्मेट के बिन्दु

- पढ़ाया विषय समझ में आता है या नहीं
- पढ़ाने की शैली कैसी लगती है
- शिक्षक का व्यवहार कैसा है
- कालेज में शिक्षक का व्यवहार कैसा है
- शिक्षक के व्यवहार में अच्छा क्या लगता है
- संबंधित शिक्षक का विषय ज्ञान कैसा है

शिक्षकों के मूल्यांकन की यह प्रक्रिया काफी रोचक है। शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र के नाम से छपवाये गये इस फार्मेट में शिक्षक का नाम, कक्षा व विषय का जिक्र है। शिक्षकों में आत्मावलोकन एवं आत्म चिंतन की प्रक्रिया को बढ़ाने, शिक्षकों के व्यक्तित्व में सुधार प्रक्रिया में सहयोग करने, कालेज में पठन-पाठन में सुधार व परिसर संस्कृति का विकास करने के उद्देश्य से यह व्यवस्था की गयी बताई जाती है। दस बिन्दुओं के इस फार्मेट में, छात्रों को विकल्प भरने के साथ कुछ विशेष लिखने के लिए भी कालम बनाया गया है। मसलन कक्षाध्ययन में सुधार के लिए सुझाव, शिक्षण पद्धति में गुणवत्ता बढ़ाने का सुझाव व कुछ विशेष टिप्पणी लिखने का कालम भी है।

बहुत सहूलियत मिल रही है : इस संबंध में कालेज के प्राचार्य डा. प्रदीप राव कहते हैं कि इस प्रक्रिया से शिक्षकों में आत्म चिंतन की प्रक्रिया बढ़ाने में काफी सहूलियत मिलती है। छात्रों द्वारा किये गये मूल्यांकन रिपोर्ट को संबंधित शिक्षक व प्राचार्य के अलावा गोपनीय रखा जाता है। ताकि कहीं से भी किसी शर्मिन्दगी जैसी स्थिति न बने। रिपोर्ट पर शिक्षक से चर्चा होती है, जिससे शिक्षकों के अंदर काफी सुधार हो रहा है। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही कालेज में वर्ष भर का ऐसा कैलेंडर बनाया गया है, जिसमें हर महीने के हर कार्यदिवस को किस कक्षा में क्या पढ़ाया जाना है, यह तय होता है।

विद्यार्थियों के गोद लेने की व्यवस्था

- सत्र 2006–07 में शिक्षकों द्वारा पांच विद्यार्थियों को गोद लेने की व्यवस्था प्रारम्भ की गयी।
- इस योजना के अन्तर्गत चार विद्यार्थी का नाम स्वयं शिक्षक तय करता है और एक नाम प्राचार्य द्वारा जोड़ा जाता है।
- गोद लिये विद्यार्थियों का अभिभावक सम्बन्धित शिक्षक ही माना जाता है।
- इस योजना ने अनुशासन, गरीब एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों की चिन्ता, कमजोर विद्यार्थियों की उपचारात्मक शिक्षा, योग्य विद्यार्थियों को आगे बढ़ाने के प्रयत्न जैसे अनेक परिणामकारी प्रभाव दिये हैं।

आसपास के गाँव तक महाविद्यालय

- 7 से 9 जनवरी 2006 में **"ग्रामीण भारत का भविष्य"** विषय पर सम्पन्न **राष्ट्रीय संगोष्ठी** के निष्कर्ष के साथ महाविद्यालय ने गाँव के विकास में अपनी भूमिका को निर्धारित करते हुए भूगोल विभाग द्वारा एक गाँव **जंगल औराही** का चयन किया।
- 2007–08 में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा **मंझरिया** गाँव में सामाजिक कार्य किया जाना प्रारम्भ हुआ।
- 2008–09 में दूसरा गाँव **हसनगंज** भी राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा अभिगृहित किया गया।
- 2010–11 में **सभी विभागों** से एक अथवा दो गाँव अभिगृहित कर सामाजिक कार्य करने हेतु आग्रह किया गया।
- वर्तमान में सभी विभाग वर्ष में **चार दिन** अपने–अपने द्वारा अभिगृहित गाँव में एक दिवसीय कैम्प करते हैं।

चलो पास गाँवों-खेतों में, गिरी झोपड़ी सीधी कर दें!

अंग्रेजी विभाग

19 विभागों द्वारा 25 गांव में महाविद्यालय के शिक्षक एवं छात्र प्रतिवर्ष चार एक दिवसीय कैम्प करते हैं।

रसायन विज्ञान विभाग

भूगोल विभाग

राजनीतिशास्त्र विभाग

वाणिज्य विभाग

जब जंगल औराही बना सम्पूर्ण साक्षर गाँव

25 मई से 05 जुलाई, 2015तक सम्पूर्ण साक्षारता का अभियान।

महाविद्यालय के पूर्व छात्रों ने भी सम्भाली कमान।

तपती दोपहरी में बचे खुचे सभी नागरिकों को

अंततः पढ़ना-लिखना सिखा दिया।

हिन्दुस्तान • गोरखपुर • सोमवार • 06 जुलाई 2015 •

सांसद योगी आदित्यनाथ ने कहा, अब कोई धोखे से नहीं लगवा पाएगा अंगूठा

जंगल औराही में सभी बने साक्षर

सांसद आदर्श ग्राम

गोरखपुर | मुख्य संवाददाता

सांसद आदर्श ग्राम जंगल औराही को साक्षर बनाना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था जिसे महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ के छात्र-छात्राओं व स्थानीय स्वयंसेवकों के बल पर इसे पूरा किया गया। आज से औराही गांव निरक्षर नहीं साक्षर कहलाएगा।

यह बातें गोरक्षपीठाधीश्वर सांसद महंत योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कही। वह सांसद आदर्श ग्राम जंगल औराही के पूर्ण साक्षर होने के अवसर पर छावनी टोला स्थित प्राथमिक विद्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में अपनी बात रख रहे [illegible] उन्होंने कहा कि विद्या विन्रमता प्रदान [illegible]ती है। अब आपसी कलह छोड़कर विकास की धारा में तेजी से एक साथ चलें। तभी साक्षर गांव की सार्थकता रहेगी। साक्षरता से मतलब हम शिक्षित होकर विकास की योजनाओं को समझें।

साक्षरों एवं उपस्थित जनसमूह के बीच योगी ने कहा कि अब कोई अगूँठा लगवाकर आपसे धोखा नहीं कर सकता। इस गांव में विकास की योजनाएं तेजी से चलेंगी। हर टोलों को सीसी मार्ग से जोड़ा जाएगा। सभी पात्रों को आवास एवं पेंशन योजनाओं का लाभ मिलेगा। सांसद ने कहा कि मुझे खुशी इस बात की है कि बड़े बुजुर्गों को अक्षर ज्ञान कराना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था और इस चुनौती को यहां के स्वंयसेवकों ने स्वीकार किया और आज उनकी मेहनत का फल है कि यह गांव पूर्ण साक्षर हो गया। मुख्य अतिथि जिला विकास अधिकारी बब्बन उपाध्याय ने कहा कि आज से जंगल [illegible] ही एक साक्षर गांव कहलाएगा और [illegible] चाहूंगा कि इसे साक्षर ही नही बल्कि इसे शिक्षित बनाकर हर स्तर पर विकसित भी किया जाए। कार्यक्रम में उपस्थित क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय के सहायक निदेशक डॉ. नरसिंह राम, बीडीओ चरगांवा मधुरेन्द्र कुमार पर्वत ने भी साक्षर गांव बनने पर प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह, गीतावाटिका के रसेन्दु फोगला, डॉ. ओमजी उपाध्याय आदि उपस्थित थे।

रविवार को सांसद आदर्श ग्राम जंगल औराही के छावनी टोला स्थित प्राथमिक स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं ने स्लेट पर नाम लिखकर साक्षर होने का प्रमाण दिया। • हिन्दुस्तान

डीडीओ ने दी गांव में होने वाले कार्यों की जानकारी

जिला विकास अधिकारी बब्बन उपाध्याय ने कहा कि इस ग्राम पंचायत में विकास के कार्य तेजी से कराए जाएंगे। हर ग्रामीण का फर्ज है कि वह शासन की योजनाओं का लाभ उठाए लेकिन ध्यान रखे कि जो भी काम हों उसकी गुणत्ता बनाए रखने के लिए सतर्कता दिखानी होगी।

ग्राम पंचायत : जंगल औराही	
कुल टोले	**14**
कुल आबादी	**5312**
निरक्षरों की संख्या थी	**407**
साक्षरता केंद्र	**34**
साक्षरता अभियान	**52** लोग जुटे

ये काम हुए	
सीसी रोड	**3** किमी
पक्की नालियां	**3** किमी
शौचालय	हर घर में
इंदिरा आवास	**250** परिवारों को
पाइप लाइन	वर्ष **2016** तक

जंगल औराही गांव में सदर सांसद योगी आदित्यनाथ ने प्रमाणपत्र बांटे

हमें एम्स चाहिए

आस-पास की जन समस्याओं पर सक्रिय एवं मुखर

अभिगृहीत गांव के प्रतिनिधि जन संवाद में

मतदाता जन जागरण अभियान पर छात्रसंघ

सम्बोधित करते उपजिला निर्वाचन अधिकारी

• गोरखपुर • बुधवार • 21 दिसम्बर 2011 • **हिन्दुस्तान**

एमपीपीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में 'आओ राजनीति करें' मंच का गठन

बदलाव के लिए कॉलेजों में शुरू हो गई 'राजनीति'

गोरखपुर | महेन्द्र तिवारी

'हिन्दुस्तान' के 'आओ राजनीति करें' अभियान का असर दिखने लगा है। एक डिग्री कॉलेज के निर्वाचित छात्रसंघ ने बड़ा कदम उठाते हुए 'आओ राजनीति करें मंच' का गठन कर दिया है तो एक दूसरे कॉलेज में 'हमारा एमएलए कैसा हो' विषय पर छात्रों के बीच रायशुमारी की जा रही है। प्रार्थना के समय इस अहम विषय पर चर्चा और कॉलेजों में छात्रों के बीच जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला तय करने की कवायद भी हो रही है।

'आओ राजनीति करें' अभियान के पहले चरण में 'हिन्दुस्तान' ने युवाओं को ज्यादा से ज्यादा वोटर बनाने की मुहिम छेड़ी थी। उसमें शानदार सफलता मिलने के बाद दूसरे चरण में 'हमारा एमएलए कैसा हो' अभियान शुरू किया गया है।

'आओ राजनीति करें मंच' के गठन के लिए बैठक करते एमपीपीजी कॉलेज के छात्र

सोमवार को शहर के बुद्धिजीवियों के बीच करीब ढाई घण्टे तक विचारोत्तेजक बहस हुई। बुद्धिजीवियों ने कहा कि यह मुहिम सिर्फ 'हिन्दुस्तान' की नहीं, हमारी भी है। हम इसे आगे बढ़ाएंगे।

सोमवार को मंथन हुआ और मंगलवार को उसका असर साफ नजर आने लगा। महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ के प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव ने पहल करते हुए अपने यहां के छात्रसंघ पदाधिकारियों की आपात बैठक बुलाई। उसमें मंथन के बाद 'आओ राजनीति करें मंच' का गठन किया गया।

... पेज 4 पर जारी

अलग

आओ राजनीति करें

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2012

मुहिम

- डीवीएनएलटी कॉलेज में बीएड छात्रों ने बताया, कैसा हो हमारा एमएलए
- 'हिन्दुस्तान' के अभियान का दिखने लगा है असर

गाँव के बच्चों को निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण

वर्तमान सत्र में 1 सितम्बर 2015 से आसपास गाँव के कक्षा 2 से 10 तक के विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रारम्भ किया गया है। यह कक्षा प्रतिदिन 3 से 3.50 चलाई जाती है। जिसमें 40-40 के तीन बैच बनाये गये हैं।

समस्या एवं सुझाव पेटिका

प्राचार्य कक्ष के सामने तथा छात्रा सामान्य कक्ष में समस्या एवं सुझाव पेटिका लगी है। दोनों पेटिकाएँ प्रतिदिन खोली जाती है। प्राचार्य कक्ष के सामने की पेटिका प्राचार्य द्वारा तथा छात्रा सामान्य कक्ष की छात्रा प्रभारी द्वारा देखी जाती है। सभी समस्या एवं सुझाव पत्रावली में रखे जाते हैं। विद्यार्थी इस व्यवस्था का पर्याप्त उपयोग करते हैं। यह योजना प्रभावी एवं पर्याप्त उपयोगी है।

पुरातन-छात्र परिषद्

2009 से ही प्रतिवर्ष 2 अक्टूबर को पुरातन छात्र सम्मेलन का आयोजन एवं पुरातन छात्र परिषद् का गठन होता है। यह सक्रिय टीम है। फेसबुक पर लगभग 1200 पुराने विद्यार्थियों का समूह निरन्तर आपस में संवाद करता रहता है और महाविद्यालय से जुड़ा है। 2 अक्टूबर और 26 जनवरी को इनकी बैठक घोषित है। प्रतिवर्ष 2 अक्टूबर को पुरातन छात्र परिषद् का चुनाव सम्पन्न होता है।

पुरातन-छात्र परिषद्

- महाविद्यालय के पास आसपास रहने वाले लगभग **150** पुराने विद्यार्थियों का ऐसा समूह है जिसे हम जब चाहते हैं महाविद्यालय के किसी भी गतिविधि में वे सहज उपलब्ध होते हैं।
- विश्वविद्यालय की **परीक्षा**, अन्य **प्रतियोगी परीक्षाओं** को सम्पन्न कराने में भी इनका निरन्तर सहयोग मिलता है।
- 15 अक्टूबर 2014 को समाचार पत्र **अमर उजाला** द्वारा आयोजित स्व. अतुल माहेश्वरी स्मृति सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में **1500** विद्यार्थियों की परीक्षा प्राचार्य एवं कुछ शिक्षकों द्वारा इन्हीं पुरातन छात्र परिषद् के सदस्यों द्वारा करा ली गयी।
- 20 जून 2015 को योगिराज बाबा गम्भीरनाथ छात्रावास के **महामहिम राज्यपाल** श्री रामनाइक जी द्वारा लोकार्पण समारोह की व्यवस्था भी इन्हीं सदस्यों ने बखूबी निभाई।